RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 15 MARCH TO 21 MARCH 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 26 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे चढ़कर 82.33 पर पहुंचा Page 2

एसबीआई ने फिर महंगा किया लोन Page 3

आम, लीची, केला, संतरा, टमाटर... इस बार गर्मियों में सिर्फ देखने को मिलेंगे फल और सब्जियां! Page 5

editoria!

इकॉनमी की मुश्किलें

मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) में जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों का कम होना चिंताजनक न सही, विचारणीय तो है ही। इस तिमाही में ग्रोथ 4.4 फीसदी रही, जबकि दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर की अवधि में जीडीपी में 6.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी और पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 13.5 फीसदी की। तीसरी तिमाही में इसमें कुछ कमी का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन विशेषज्ञों में लगभग सर्वसम्मति थी कि गिरकर भी यह 4.7 फीसदी तक रहेगी। तीसरी तिमाही के आंकड़े कम रहने का सीधा मतलब पहली नजर में यही है कि पूरे वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी बढ़ोतरी के जो अनुमान बताए गए थे, उनका पूरा होना मुश्किल हो जाएगा। हालांकि सालाना 7 फीसदी बढ़ोतरी के इस अनुमान में अभी कोई संशोधन नहीं किया गया है। लेकिन अगर इसे पूरा किया जाना है तो वित्त वर्ष की चौथी यानी आखिरी तिमाही (जनवरी-मार्च 2023) के दौरान अर्थव्यवस्था को कम से कम 5.1 फीसदी की दर से बढ़ना होगा। मौजूदा हालात में यह लक्ष्य खासा चुनौतीपूर्ण लगता है। जीडीपी की रफ्तार में लगातार दो तिमाहियों की यह कमी ऐसे समय आई है, जब ग्लोबल स्लोडाउन और मंदी की आशंकाओं के बीच भारत को एक ब्राइट स्पॉट यानी चमकदार बिंदु के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। इस धीमी रफ्तार की बड़ी वजह महंगाई काबू करने के लिए ब्याज दरों में लगातार की गई बढ़ोतरी को माना जा रहा है। मौजूदा वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य में इस नीति के तत्काल पलटने के आसार भी नहीं दिख रहे क्योंकि महंगाई का दबाव अभी भी बना हुआ है। दूसरी बात यह कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का सिकुड़ना जारी है। इस तिमाही में इस सेक्टर की बढ़ोतरी साल-दर-साल आधार पर 1.1 फीसदी दर्ज की गई, जो कंज्यूमर डिमांड की कमजोरी दर्शाती है। एक अच्छी बात यह है कि कृषि क्षेत्र की ग्रोथ अच्छी बनी हुई है। तीसरी तिमाही में यह 3.7 फीसदी दर्ज की गई, जबकि पूरे वित्त वर्ष के लिए यह अनुमान 3.3 फीसदी का है। मगर यहां ध्यान रखना जरूरी है कि यह अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि रबी की फसल जबर्दस्त होगी, यानी तापमान बढ़ने जैसे किसी कारक का प्रतिकूल प्रभाव नहीं होगा। यह धारणा कितनी सही है, इसका पता तभी चलेगा जब फसल कटने का वक्त आएगा। देखा जाए तो महामारी के बाद से ही अर्थव्यवस्था में निवेश का काम मुख्यतया सरकार की ही ओर से हो रहा है, लेकिन जब तक निजी क्षेत्र की ओर से इसमें बढ़ोतरी नहीं होती, तब तक ग्रोथ में मजबूती नहीं आएगी। यह तभी होगा, जब कंस्यूमर डिमांड में रिकवरी हो। सबसे बड़ी बात यह कि मौजूदा हालात में ब्याज दरों में कमी की कोई उम्मीद भी कम से कम फिलहाल नहीं की जा सकती। इसी वजह से वित्त वर्ष 2024 में ग्रोथ 2023 के मुकाबले कम रहने का अनुमान लगाया जा रहा है।

क्रूड पर मंदी का संकट हावी

$79 के नीचे आया ब्रेंट का भाव

नई दिल्ली। एजेंसी

सिलिकॉन वैली बैंक का संकट क्रूड पर देखने को मिल रहा है। बैंक संकट से मंद इकोनॉमी की आशंका है। डॉलर इंडेक्स गिरने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव देखने को मिल रहा है। डॉलर इंडेक्स 103.44 के निचले स्तर पर है। ईआईए ने कहा है कि ळए में रिकॉर्ड ऑयल शेल का उत्पादन है। 2019 के बाद सबसे ज्यादा शेल उत्पादन हुआ। चीन से अभी भी डिमांड उम्मीद मुताबिक नहीं है। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े और SVB संकट के बाद कच्चे तेल में करीब 3% की गिरावट देखने को मिली। क्रूड भाव 3 महीनों के निचले स्तर पर पहुंचा है। जिसके बाद ये 9 हफ्ते के निचले स्तर पर फिसल चुका है। ब्रेंट, WTI दोनों 1 दिन में 4% लुढ़के है। 79 डॉलर के नीचे आज ब्रेंट में कारोबार कर रहा है जबकि कल ब्रेंट का निचला स्तर $76.89 था । WTI में $73 के नीचे कारोबार हो रहा है। कल WTI का निचला स्तर $70.78 था। एमसीएक्स पर कच्चा तेल 6000 के नीचे कारोबार कर रहा है। सिलिकॉन वैली बैंक का संकट क्रूड पर देखने को मिल रहा है। बैंक संकट से मंद इकोनॉमी की आशंका है। डॉलर इंडेक्स गिरने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव देखने को मिल रहा है। डॉलर इंडेक्स 103.44 के निचले स्तर पर है। ईआईए ने कहा है कि ळए में

रिकॉर्ड ऑयल शेल का उत्पादन है। 2019 के बाद सबसे ज्यादा शेल उत्पादन हुआ। चीन से अभी भी डिमांड उम्मीद मुताबिक नहीं है। Refinitiv का कहना है कि क्रूड का भाव 90-100 डॉलर तक जा सकता है। वहीं ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि आगे क्रूड 90 डॉलर का स्तर दिखा सकता है। StanChart के मुताबिक 2023 में ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर, 2024 में 98 डॉलर और 2025 में 109 डॉलर जा सकता है। वहीं BofA का कहना है कि 2023 में ब्रेंट का भाव 88 डॉलर तक जा सकता है। जबकि 2024 में ब्रेंट 90 डॉलर का भाव छु सकता है।

लगातार घट रहा बैंकों का NPA, एक साल में दशक के निचले स्तर पर पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । एजेंसी

भारतीय बैंकों के खराब लोन (NPA) में वित्तवर्ष 2022-23 में 0.90 फीसदी की कमी आने की संभावना है। इस दौरान यह घटकर पांच फीसदी से कम रह जाएगा। एसोचैम-क्रिसिल रेटिंग की स्टडी में गुरुवार को यह अनुमान जताया गया। स्टडी में यह भी कहा गया कि बैंकों का सकल एनपीए 31 मार्च 2024 तक घटकर दशक के सबसे निचले स्तर चार फीसदी से भी कम हो सकता है। स्टडी ने कुल एनपीए में गिरावट के लिए कोविड बाद के आर्थिक सुधारों और उच्च ऋण वृद्धि को जवाबदेह बताया है।

कॉरपोरेट लोन सेगमेंट में सबसे बड़ा सुधार

स्टडी में कहा गया कि सबसे बड़ा सुधार कॉरपोरेट ऋण सेगमेंट में होगा, जहां सकल एनपीए 31 मार्च, 2018 को लगभग 16 फीसदी था

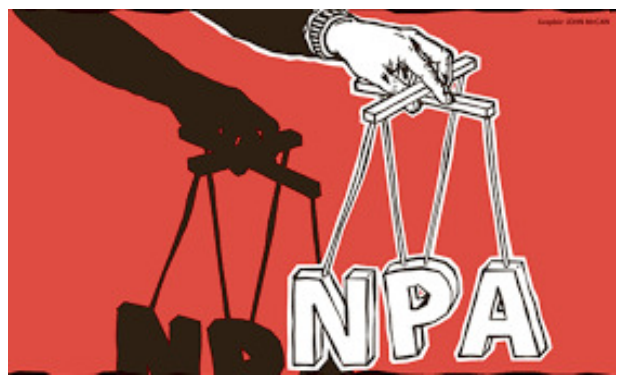

और इसके अगले वित्त वर्ष में घटकर दो फीसदी तक होने की संभावना है। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा, 'यह हाल के वर्षों में बैंकों द्वारा खातों को दुरुस्त करने के साथ ही मजबूत जोखिम प्रबंधन और अंडरराइटिंग को दर्शाता है, जिसके कारण बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल वाले उधारकर्ताओं को ऊंची वरीयता मिली है।'

एमएसएमई सेगमेंट में बढ़ सकता है एनपीए

उन्होंने कहा कि दोहरे बही-खाते की समस्या का काफी हद तक समाधान कर लिया गया है और ऐसे में ऋण वृद्धि में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। सूद ने कहा, ''लगातार वैश्विक चुनौतियों के बीच भी हमारा बैंकिंग क्षेत्र काफी मजबूत है।'' अध्ययन में कहा गया कि महामारी के दौरान सबसे अधिक पीड़ित रहने वाले एमएसएमई सेगमेंट में सकल एनपीए मार्च 2024 तक बढ़कर 10-11 फीसदी हो सकता है, जो 31 मार्च 2022 को लगभग 9.3 फीसदी था।

क्रूड ऑयल पर रूस ने दी भारी छूट

तब भी भारत को क्यों हुआ सिर्फ दो डॉलर प्रति बैरल का फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी

रूस और भारत की दोस्ती काफी गहरी है। दोनों देशों ने हमेशा हर मौके पर एक-दूसरे का साथ दिया है। यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिका द्वारा लगाई गई पाबंदियों के कारण कई देश रूस से क्रूड खरीदने से बच रहे हैं, वहीं भारत की कोशिश है कि रूस से सस्ते दामों में ज्यादा से ज्यादा खरीदारी की जाए। मौजूदा समय में रूस कच्चे तेल की खरीद पर भारत को भारी छूट दे रहा है। लेकिन इस भारी छूट के बाद भी भारत को ज्यादा फायदा नहीं हो रहा है। रूसी कच्चे तेल की रियायती खरीद में वृद्धि से चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में भारत को लगभग 2.5 बिलियन डॉलर की बचत होने की संभावना है। यह अपेक्षा से काफी कम है।

इंडिया ट्रेड के आंकड़ों के मुताबिक, सस्ते रूसी तेल ने कच्चे तेल के दुनिया के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता भारत के लिए आयातित कच्चे तेल की औसत कीमत नौ महीने के समय के दौरान करीब 2 डॉलर प्रति बैरल कम कर दी है। इससे भारत ने 163.66 रुपये प्रति 158.98 लीटर पर बचाए हैं। आखिर ऐसा क्यों है। क्यों क्रूड ऑयल (ण्ल् ध्त्) पर रूस की ओर से मिल रही भारी छूट के बाद भी सिर्फ दो डॉलर प्रति बैरल का फायदा हुआ है?

क्यों नहीं मिल रहा छूट का फायदा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध की वजह से मॉस्को को पश्चिमी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। रूसी तेल की ढुलाई काफी बढ़ गई है। इसलिए तेल की कीमत पर मिलने वाली छूट का उतना फायदा नहीं मिल पा रहा है। हालांकि संभावना है कि तेल पर मिलने वाली छूट और बढ़ सकती है। इससे पहले गोल्डमैन सैक्स ने 10 फरवरी को कहा था कि भारतीय रिफाइनरों ने रियायती रूसी कच्चे तेल को खरीदना शुरू कर दिया है। भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि कच्चे तेल (Crude Oil) के सबसे बड़े आयातकों में से एक के रूप में वह कहीं से भी तेल खरीदेगा, जहां से उसे अच्छा सौदा मिलेगा। व्यापार डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि अप्रैल-दिसंबर के दौरान रूसी कच्चे तेल पर प्रभावी छूट एक महीने से दूसरे महीने में काफी अलग होती है। छूट अप्रैल में सबसे कम 0.6 डॉलर प्रति बैरल थी और मई में उच्चतम 15.1 डॉलर प्रति बैरल थी, जो उन महीनों में दुनिया के बाकी हिस्सों से आयातित कच्चे तेल की औसत कीमत थी।

उम्मीद से काफी कम मिली छूट

बता दें कि अप्रैल-दिसंबर के लिए आयातित कच्चे तेल (Crude Oil) की औसत कीमत 99.2 डॉलर प्रति बैरल थी। अगर रूसी बैरल को इससे बाहर रखा जाए, तो औसत कीमत मामूली रूप से बढ़कर 101.2 डॉलर प्रति बीबीएल हो जाती है। विचाराधीन अवधि के लिए भारत के तेल आयात का कुल मूल्य 126.51 बिलियन डॉलर था। विश्लेषण से पता चलता है कि यदि भारतीय रिफाइनर रूसी तेल के लिए अन्य आपूर्तिकर्ताओं से कच्चे तेल के लिए भुगतान की गई औसत कीमत का भुगतान करते, तो तेल आयात बिल लगभग 129 बिलियन डॉलर या लगभग 2 प्रतिशत अधिक होता। इस अवधि के लिए रूस से तेल आयात का मूल्य लगभग 22 अरब डॉलर था। अप्रैल-दिसंबर में भारत के लिए रूसी कच्चे तेल की औसत कीमत 90.9 डॉलर प्रति बैरल थी। यह कीमत नॉन रूसी क्रूड ऑयल की कीमत से करीब 10.3 डॉलर तक कम है। हालांकि यह छूट भारत और बाकी देशों की रिपोर्ट में जो दावा किया गया उससे काफी कम है।

ग्रेड पर निर्भर होती है क्रूड ऑयल की कीमत

भारत में अप्रैल-दिसंबर में कुल 173.93 मिलियन टन या 1.27 बिलियन बैरल के कुल तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की इसमें करीब 19 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। अप्रैल-दिसंबर में इराक के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया। बता दें कि सरकार कमोडिटी-वार और देश-वार व्यापार डेटा एक अंतराल के साथ जारी करती है। क्रूड ऑयल की कीमत तेल के ग्रेड पर निर्भर करती है और उनकी कीमतें काफी हद तक अलग-अलग हो सकती हैं।

दुनिया में सबसे ज्यादा प्रॉफिट, रिलायंस से दस गुना बड़ा मार्केट कैप

नई दिल्ली। एजेंसी

क्या आपको पता है दुनिया में सबसे ज्यादा प्रॉफिट देने वाली कंपनी कौन है? इसका जवाब है सऊदी अरब की कंपनी सऊदी अरामको कंपनी ने पिछले साल यानी 2022 में 161.1 अरब डॉलर का रेकॉर्ड प्रॉफिट कमाकर दिया। यह किसी लिस्टेड कंपनी का अब तक का सबसे ज्यादा प्रॉफिट है। यह पिछले साल के मुकाबले 46 फीसदी ज्यादा है। यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया में कच्चे तेल कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थी जो 2008 के बाद इसका उच्चतम स्तर था। इसका फायदा सभी तेल कंपनियों को हुआ। सऊदी अरब ने भी इस मौके का फायदा उठाते हुए दोनों हाथों से कमाया। सऊदी अरामको मार्केट कैप के हिसाब से एपल के बाद दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। इसका मार्केट कैप रिलायंस इंडस्ट्रीज से दस गुना बड़ा है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी एपल मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। उसकी मार्केट वैल्यू 2.353 ट्रिलियन डॉलर है। इस लिस्ट में सऊदी अरामको दूसरे नंबर पर है। उसका मार्केट कैप 1.933 ट्रिलियन डॉलर है। इस सूची में शामिल टॉप 10 कंपनियों में आठ अमेरिका की है। भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज इस लिस्ट में 50वें नंबर पर है। इसका मार्केट कैप 186.83 अरब डॉलर है। लेकिन प्रॉफिट के मामले में सऊदी अरामको पहले नंबर पर है। कंपनी ने पिछले साल 161.1 अरब डॉलर का प्रॉफिट कमाया जो दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ के बराबर है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 165 अरब डॉलर है।

अमेरिका में हुई थी स्थापना

सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी ऑयल प्रॉड्यूसर कंपनी है। इसकी स्थापना 1933 में अमेरिकी कंपनी के रूप में हुई थी और इसने 1938 में तेल निकालने की शुरुआत की थी। सऊदी सरकार ने 1973 में इसमें 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी और फिर 1970 के दशक के अंत में इसमें 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली। इसका हेडक्वार्टर भी अमेरिका से सऊदी शिफ्ट कर दिया गया। आज इस कंपनी के पास 261.1 अरब बैरल तेल भंडार है जो अमेरिका की कंपनी ँदेंहश्दंग्त से दस गुना ज्यादा है। यह कंपनी रोजाना 95.4 लाख बैरल तेल निकालती है। दुनिया में हर आठ बैरल में से एक बैरल तेल इस कंपनी का होता है। 2019 में यह कंपनी आईपीओ लाई थी। इसकी शुरुआत अमेरिका में हुई थी लेकिन आज इसका सबसे बड़ा क्लाएंट अमेरिका नहीं बल्कि चीन है। सऊदी अरामको में 60 हजार से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। इनमें से 51,653 सऊदी अरब के हैं। इसके साथ ही 77 देशों के 10,254 कर्मचारी भी इसमें काम करते हैं। कंपनी का कारोबार चीन, मिस्र, जापान, भारत, नीदरलैंडस साउथ कोरिया, सिंगापुर, यूएई, ब्रिटेन और अमेरिका में फैला है। यह तीन ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप छूने वाली दुनिया की पहली कंपनी थी। लेकिन बाद में एपल ने इसे पछाड़ दिया।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे चढ़कर 82.33 पर पहुंचा

मुंबई। एजेंसी

अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे चढ़कर 82.33 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.32 पर मजबूत खुला, फिर कुछ बढ़त के साथ 82.30 के स्तर पर आ गया। कुछ देर बाद रुपया फिसलकर 82.33 पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.37 के स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी गिरकर 103.49 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.21 प्रतिशत बढ़कर 78.39 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक मंगलवार को शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने इस दिन 3,086.96 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

कब शुरू होगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट?

2600 लोग रोज कर रहे काम, 4 किमी लंबा रनवे

नई दिल्ली। एजेंसी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम तेजी से बढ़ रहा है। इस एयरपोर्ट का एक रनवे और एक टर्मिनल साल 2024 के आखिर तक काम करना शुरू कर देगा। इस एयरपोर्ट के लिए पिछले साल टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन के दो कॉन्ट्रैक्ट दिये गए थे। इसके बाद एयरपोर्ट के लिए जमीनी काम, लेवलिंग और खुदाई का काम पूरा हो चुका है। अब ऊपर की ओर कंस्ट्रक्शन बढ़ रहा है और एयरपोर्ट की संरचनाएं आकार ले रही हैं। एयरपोर्ट का कहना है कि अगले कुछ महीनों में यहां कई भवन दिखाई देने लगेंगे। इनमें यात्री टर्मिनल भवन, ऑफिस ब्लॉक, सीवेज व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स और पावर सब-स्टेशन शामिल हैं।

80 एकड़ में बनेगा कार्गो हब

एनआईए ने एयरपोर्ट के लिए एयरोनॉटिकल और नॉन-एयरोनॉटिकल रियायतों के लिए टेंडर्स जारी किये थे। हाल ही में एयरपोर्ट पर मल्टी-मोडल कार्गो हब (श्श्ण्) डेवलप करने के लिए एआईसैट्स को चुना है। 80 एकड़ में बनने वाला कार्गो हब देश के निर्माण केंद्रों से तीव्र, सुविधाजनक और इंटरमोडल कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इसमें एक कार्गो टर्मिनल और एक इंटीग्रेटेड वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स जोन होगा। यह रोड टू रोड, रोड टू एयर और एयर टू रोड मूवमेंट्स में सहयोग के लिए परिवहन सुविधाएं प्रदान करेगा।

टर्मिनल पर दिखेगी देश की विरासत

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पैसेंजर टर्मिनल पर देश की वास्तुकला के अनेक नमूने दिखाई देंगे। इस टर्मिनल के बाहरी कोर्ट की सीढ़ियां वाराणसी और हरिद्वार के मशहूर घाटों से प्रेरित है। कोर्टयार्ड हवेली जैसा दिखने और वैसा ही अहसास कराने वाला होगा। टर्मिनल की छत बड़ी नदियों से प्रेरित होंगी। यह बहती नदी की तरह दिखेगी।

4,000 मीटर लंबा रनवे

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में 4,000 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे है। वहीं, 40 मीटर ऊंचा एटीसी टावर है। इससे एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को एयरपोर्ट का 360 डिग्री व्यू मिलेगा। यहां से एयरपोर्ट का रनवे, एप्रॉन और टैक्सीवेज अच्छे से देखा जा सकेगा। यह एयरपोर्ट 1334 हैक्टेयर में फैला हुआ है। इस एयरपोर्ट पर 2600 से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। यहां काम कर रहे लोगों की संख्या 6,000 तक पहुंचने की उम्मीद है। एयरपोर्ट के निर्माण में अभी तक 14,000 टन स्टील और 32,000 क्यूबिक मीटर कॉन्क्रीट का उपयोग किया जा चुका है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में बंपर तेजी

17 फीसदी उछले के बाद बढ़कर हुआ 13.73 लाख करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि 10 मार्च, 2023 तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.68 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के सकल संग्रह से 22.58 प्रतिशत अधिक है। प्रत्यक्ष कर संग्रह, रिफंड का शुद्ध, 13.73 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के शुद्ध संग्रह से 16.78 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, राजस्व विभाग के अनुसार, यह संग्रह वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल बजट अनुमानों का 96.67 प्रतिशत और प्रत्यक्ष करों के कुल संशोधित अनुमानों का 83.19 प्रतिशत है। आयकर विभाग के अनुसार, जहां तक सकल राजस्व संग्रह के मामले में कॉरपोरेट आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) के लिए विकास दर का संबंध है, सीआईटी के लिए विकास दर 18.08 प्रतिशत है और पीआईटी के लिए (एसटीटी सहित) 27.57 प्रतिशत है।

रिफंड के समायोजन के बाद, सीआईटी संग्रह में शुद्ध वृद्धि 13.62 प्रतिशत है और पीआईटी संग्रह में 20.73 प्रतिशत (केवल पीआईटी)/20.06 प्रतिशत (एसटीटी सहित पीआईटी) है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल, 2022 से 10 मार्च, 2023 के दौरान 2.95 लाख करोड़ रुपये की राशि का रिफंड जारी किया गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 59.44 प्रतिशत अधिक है।

एसबीआई ने फिर महंगा किया लोन

जानिए किन ग्राहकों की बढ़ जाएगी EMI

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई (SBI) ने एक बार फिर लोन महंगा कर दिया है। बैंक ने अपने बेस रेट और बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट (BPLR) में बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ी हुई दरें कल यानी 15 मार्च से लागू होंगी। बैंक तिमाही आधार पर अपने बेस रेट और बीपीएलआर में बदलाव करता है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक बीपीएलआर और बेस रेट दोनों में 0.70 फीसदी यानी 70 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की गई है। 15 मार्च से बैंक का बीपीएलआर 14.15 फीसदी से बढ़कर 14.85 फीसदी हो जाएगा। इसी तरह बेस रेट भी 9.40 फीसदी से बढ़कर 10.10% पहुंच गया है। बेस रेट और बीपीएलआर में बढ़ोतरी का सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। इससे कर्ज महंगा हो जाएगा। यानी उनके लोन की किस्त (EMI) बढ़ जाएगी।

बेस रेट और बीपीएलआर बैंक के पुराने बेंचमार्क हैं जिनके आधार पर बैंक लोगों को लोन देता है। नए लोन एक्सटर्नल बेंचमार्क बेस्ड लैंडिंग रेट (EBLR) या रेपो रेट लिंक्ड रेट (RLLR) के आधार पर दिए जाते हैं। बेस रेट और बीपीएलआर में बढ़ोतरी से उन लोगों की किस्त बढ़ जाएगी, जिनका लोन इन बेंचमार्क से जुड़ा है। बीपीएलआर को फंड्स की औसत लागत के आधार पर कैलकुलेट किया जाता था। इसमें पारदर्शिता की कमी थी। यही वजह है कि आरबीआई साल 2010 में बेस रेट लाया था। बेस रेट वह न्यूनतम ब्याज दर होती है जिस पर बैंक लोन दे सकते हैं। इससे नीचे के रेट पर लोन नहीं दिया जा सकता है। अप्रैल 2016 में आरबीआई ने बेस रेट की जगह मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड (MCLR) पेश किया था।

बैंकों ने महंगा किया लोन

एमसीएलआर किसी वित्तीय संस्थान यानी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के लिए एक इंटरनल बेंचमार्क है। MCLR प्रोसेस में लोन के लिए मिनिमम ब्याज दर तय की जाती है। MCLR एक न्यूनतम ब्याज दर है, जिस पर बैंक लोन दे सकता है। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने एक बार फिर लोन महंगे कर दिया है। एसबीआई ने हाल में सभी टेन्योर के लिए एमसीएलआर (MCLR) में 0.10 फीसदी का इजाफा किया था। बैंक इस साल दो बार श्ण्थ् में इजाफा कर चुका है। आरबीआई (RBI) ने हाल में छठी बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी। इसके बाद कई बैंकों ने लोन महंगा कर दिया है।

मोबाइल से पेमेंट करो और मशीन से निकाल लो सिक्के

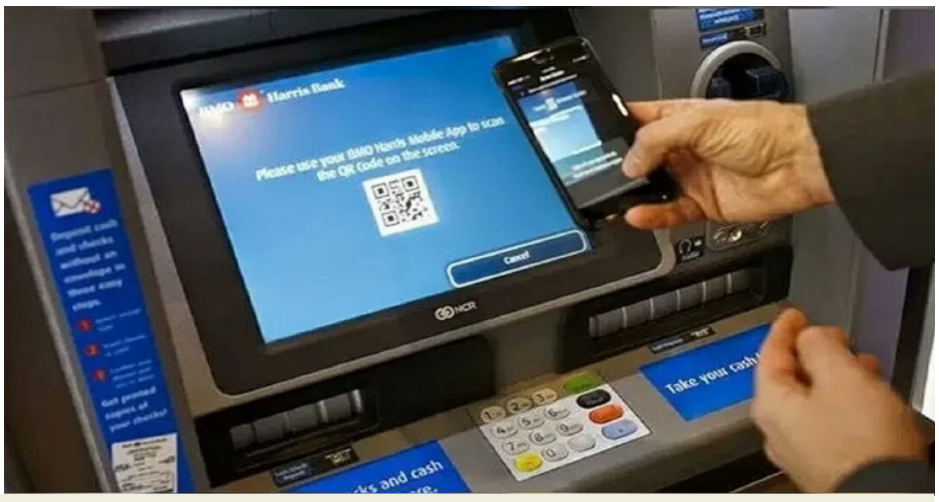

देश के 12 शहरों में लगेंगी ये खास मशीनें

नई दिल्ली। एजेंसी

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी (MPC) की बैठक में घोषणा की थी कि जल्द ही 12 शहरों में 19 स्थानों पर QR कोड-आधारित सिक्का वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी। यह पायलट प्रॉजेक्ट होगा जिसके तहत मशीन पर लगे QR कोड को स्कैन कर सिक्के निकाले जा सकेंगे। दास ने कहा कि इससे ग्राहकों के लिए सिक्कों की आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। कॉइन वेंडिंग मशीनें ऑटोमेटिक मशीनें हैं जो बैंक करंसी नोटों के बदले सिक्के बांटती हैं। सिक्का निकालने वाली मशीन में नकली नोट डाले जाने के मामलों को देखते हुए UPI आधारित विकल्प को अपनाने का फैसला किया गया है।

आसानी से निकलेंगे सिक्के

रिजर्व बैंक के गवर्नर के बयान के अनुसार, कॉइन वेंडिंग मशीनें ळझ्ड का उपयोग करके बैंक ग्राहकों के खाते से पैसे काटकर सिक्के उपलब्ध कराएंगी। इससे सिक्कों की उपलब्धता में आसानी होगी। अभी जो मशीनें हैं, उसमें नोट डालकर सिक्के निकाले जाते हैं। पायलट प्रॉजेक्ट से मिले अनुभव के आधार पर इन मशीनों का उपयोग करके सिक्कों के वितरण को बढ़ावा देने के लिए बैंकों को दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

QR कोड आधारित कॉइन वेंडिंग मशीन क्या है?

कुछ टॉप बैंकों के सहयोग से एक QR कोड-आधारित कॉइन वेंडिंग मशीन (QCVM) विकसित की गई है। यह कैशलेस कॉइन डिस्पेंसर है जो ळझ्ड के माध्यम से ग्राहक के बैंक खाते में से रुपये काटता है और इसके बदले में सिक्कों का वितरण करता है।

कैसे काम करती हैं ये मशीनें?

इस मशीन का इस्तेमाल करने के लिए नोट डालने या उन नोटों के सत्यापन की जरूरत नहीं होगी। ग्राहक 1, 2, 5, 10 और 20 के सिक्के, जितनी जरूरत हो, उस संख्या में मशीन से निकाल सकेंगे। ट्रायल प्रॉजेक्ट के तहत 12 शहरों में 19 स्थानों पर मशीन को लगाया जाएगा। इन मशीनों को पब्लिक प्लेस जैसे रेलवे स्टेशन, मॉल और मार्केटप्लेस में लगाया जाएगा।

हमारे इकोसिस्टम में सिक्कों की क्या अहमियत है?

फिलहाल भारत में 50 पैसे के अलावा 1, 2, 5, 10 और 20 रुपये के सिक्के चलन में हैं। रिजर्व बैंक के मुताबिक, पिछले साल 30 दिसंबर को 28,857 करोड़ रुपये के Rupee Coins चलन में थे, जो 30 दिसंबर 2021 की तुलना में 7.2 प्रतिशत अधिक थे। 50 पैसे तक के कॉइंस को एर्स्त्त ण्दग्हे कहा जाता है। सर्कुलेशन में जितने एर्स्त्त ण्दग्हे हैं, उनकी कीमत 30 दिसंबर 2022 को 743 करोड़ रुपये थी। इसमें कोई कमी या बढ़ोतरी नहीं हुई। इन आंकड़ों की तुलना डिजिटल भुगतान से करते हैं। दिसंबर में 9,557.4 करोड़ रुपये के डिजिटल भुगतान हुए। इसमें मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, IMPS, BHIM-UPI और NEFT शामिल हैं।

फॉरेक्स रिजर्व में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट, तीन महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई है और यह तीन हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंच गया है। 24 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 32.5 करोड़ डॉलर घटकर 560.942 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट जारी रही। पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.68 अरब डॉलर घटकर 561.267 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले, अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब अमेरिकी डॉलर के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपये की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट देखी जा रही है।

रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 24 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में, मुद्राभंडार का अहम हिस्सा फॉरेन करेंसी एसेट्स 16.6 करोड़ डॉलर घटकर 495.906 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में एक्सप्रेस की जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट जारी रही और स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 6.6 करोड़ डॉलर घटकर 41.751 अरब डॉलर रह गया।

रुपये हुआ मजबूत

आंकड़ों के अनुसार, Special Drawing Rights (SDR) भी आठ करोड़ डॉलर घटकर 18.187 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का मुद्रा भंडार 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.098 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई आम तौर पर स्पॉट और फॉरवर्ड मार्केट्स में डॉलर के मुकाबले रुपये के एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए हस्तक्षेप करता है। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 63 पैसे के उछाल के साथ 81.97 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी कोषों के ताजा निवेश और घरेलू शेयर बाजार में बढ़त की वजह से निवेशकों की कारोबारी धारणा मजबूत होने से रुपये में तेजी आई।

ओपन एआई का GPT-4 में मिलेगी ह्यूमन लेवल परफॉर्मेंस

नई दिल्ली । एजेंसी

पिछले कुछ महीनों से दुनियाभर में चैट जीपीटी के बड़े चर्चे हैं। ओपन एआई के इस चैट बॉट से लोगों के कई सारे काम काफी आसान हो गए हैं। यूजर्स चैट जीपीटी से अनोखे सवाल भी पूछ रहे हैं। जैसे- 100 साल बाद दिल्ली के लोग कैसे दिखेंगे। चंद्रमा पृथ्वी पर गिर जाए तो क्या होगा। एलियन कैसे दिखते हैं। आदि-आदि। लेकिन अब चैट जीपीटी का एक सुपर एडवांस वर्जन आ गया है। इसका नाम जीपीटी-4 (उझ्ऊ-4) है। स्टार्टअप ओपन एआई ने मंगलवार को कहा कि वह पावरफुल एआई मॉडल जीपीटी-4 जारी करने की शुरुआत कर रहा है।

मिलेगी ह्यूमन लेवल परफॉर्मेंस

ओपन एआई का कहना है कि जीपीटी-4 कई मामलों में ह्यूमन लेवल परफॉर्मेंस देता है। ओपन एआई ने एक ब्लॉग में लिखा कि इसकी नई तकनीक मल्टीमॉडल है। इसका मतलब है कि यह फोटोज और टेक्स्ट दोनों से कॉन्टेंट जनरेट कर सकता है। टेक्स्ट इनपुट फीचर वेटलिस्ट के साथ चैटजीपीटी प्लस सब्सक्राइबर्स और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के लिए भी उपलब्ध होगा। जबकि इमेज इनपुट एबिलिटी उसके रिसर्च का एक प्रीव्यू है।

टेक कंपनियों में मची होड़

यह काफी बहुप्रतीक्षित लॉन्च संकेत देता है कि कैसे इंप्रूव की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑफिस वर्कर्स की तरह काम कर सकती है। टेक्नोलॉजी कंपनियां इस सेक्टर में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगी हुई हैं। अल्फाबेट के गूगल ने मंगलवार को अपने सहयोगी सॉफ्टवेयर के लिए एक 'जादू की छड़ी' की घोषणा की थी। यह किसी भी दस्तावेज का ड्राफ्ट तैयार कर सकता है। इससे कुछ दिन पहले माइक्रोसॉफ्ट ने अपने प्रतिस्पर्धी वर्ड प्रोसेसर के लिए एआई लाने की उम्मीद जताई। यह ओपनएआई द्वारा पावर्ड हो सकता है। एक माइक्रोसॉफ्ट अधिकारी ने यह भी कहा कि जीपीटी-4 उसके बिंग सर्च इंजन को मजबूत करने में मदद करेगा।

बना देगा रियल वेबसाइट

ओपन एआई की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी कुछ मामलों में पिछले वर्जन जीपीटी 3.5 से काफी अधिक बेहतर है। ओपन एआई के प्रेसिडेंट ने बताया कि यह एक साधारण वेबसाइट के लिए हाथ से तैयार किए गए मॉक-अप की फोटो लेता है और इसके आधार पर एक रियल वेबसाइट बना सकता है। साथ ही जीपीटी-4 लोगों की टैक्स कैलकुलेशन में भी मदद कर सकता है।

अस्थमा और इन्हेलर्स के बारे में जागरुकता बढ़ाया जाना जरूरी

36 प्रतिशत अस्थमा पीड़ित इन्हेलर्स को अस्थमा नियंत्रित करने का प्रभावशाली तरीका नहीं मानते

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इन्हेलरहैं सही' अभियान के आधार पर सिप्ला लिमिटेड ने अस्थमा और इसके अनुशंसित इलाज, यानि इन्हेलर्स के बारे में अस्थमा पीड़ितों के बीच फैली धारणा के बारे में जानकारी पेश की। भारत में छः मेट्रो शहरों में किए गए इस अध्ययन का उद्देश्य अस्थमा के बारे में कितनी जागरुकता है, यह जानना और पीड़ितों के बीच इन्हेलेशन थेरेपी के उपयोग में क्या रुकावटें हैं, उन्हें समझना था। अध्ययन में सामने आया कि 36 प्रतिशत लोग अभी भी इन्हेलर्स को अस्थमा के नियंत्रण का प्रभावशाली तरीका नहीं मानते हैं, और 40 प्रतिशत अभिभावक मानते हैं कि इन्हेलर बच्चों के लिए ठीक नहीं। इससे साफ होता है, कि कुछ सकारात्मक प्रगति होने के बावजूद इस बीमारी और इसके इलाज की जागरुकता बढ़ाए जाने के लिए अभी भी बहुत काम करना बाकी है। 'बेरोक जिंदगी' जैसे जागरुकता अभियानों के महत्व के बारे में डॉ. रवि डोसी, कंसल्टेंट चेस्ट फिजिशियन ने कहा, "दुनिया में 12 प्रतिशत अस्थमा के मामले भारत में पाए जाते हैं, जबकि यहाँ पर अस्थमा के कारण होने वाली मौतें 42 प्रतिशत हैं। यह चौंकाने वाला अंतर दो कारणों से है, पहला है जागरुकता की कमी, और दूसरा है बीमारी को कलंक समझना। इस बीमारी के बारे में जानकारी कम होने के कारण मरीज इसके लक्षणों को पहचान नहीं पाते, और इस कारण इलाज मिलने में विलंब हो जाता है। इसके अलावा इन्हेलर, उनके साईड इफेक्ट्स के बारे में नकारात्मक धारणाओं और उन्हें कलंक मानने के कारण होने वाली सामाजिक शर्मिंदगी की वजह से इसके उचित इलाज में और ज्यादा बाधा आती है। इससे निपटने के लिए अस्थमा और इन्हेलर्स के प्रति भारतीयों के दृष्टिकोण में बड़ा परिवर्तन लाया जाना जरूरी है, जिसके लिए पूरे देश में जागरुकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है।"

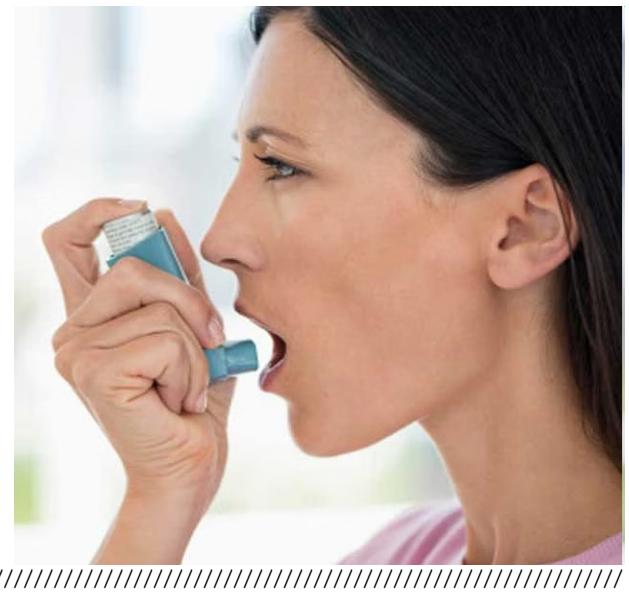

भारत का पहला सेमी-कंडक्टर प्लांट जल्दी ही प्रारंभ

नई दिल्ली । एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि पहले सेमीकंडक्टर प्लांट की घोषणा कुछ सप्ताह में हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग एनवायर्नमेंट को बढ़ाने के लिए सपोर्टेड पॉलिसीज और सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के दम पर देश अगले 3-4 साल में एक मजबूत चिप इंडस्ट्री के लिए तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने उद्योग मंडल सीआईआई के 'पार्टनर समिट' 2023 में एक सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज भारत में उपयोग होने वाले 99 फीसदी मोबाइल फोन यहीं बनते हैं। यह 10 साल पहले की स्थिति के विपरीत है, जब 99 फीसदी फोन आयात होते थे।

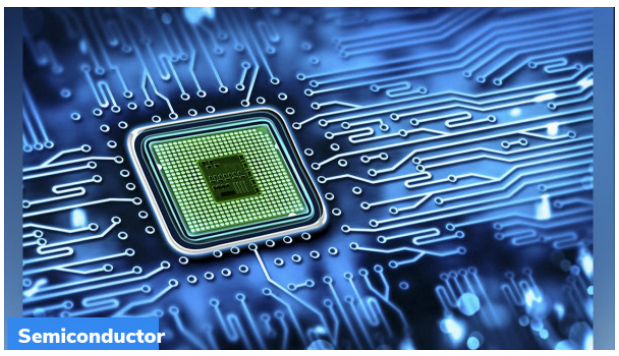

मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग में भारत दूसरे नंबर पर

उन्होंने कहा, ' अब परिवेश भारत के पक्ष में हो रहा है। मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग के सेक्टर में भारत दूसरे स्थान पर है, जबकि निर्यात करने के मामले में तीसरे स्थान पर है।' वैष्णव ने कहा कि इस साल मोबाइल फोन निर्यात 9.5 से 10 अरब डॉलर के आंकड़े पर पहुंचने की उम्मीद है।

सरकार का है पूरा फोकस

वैष्णव के अनुसार, आपूर्ति पक्ष को बढ़ावा देने के लिए केंद्र द्वारा प्रमुख पहल की गई हैं। इसमें अनुकूल परिवेश को बढ़ावा देने और स्पष्ट रूप से निर्धारित नीतिगत ढांचे को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को बनाने और बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारत सभी संबद्ध लोगों से सक्रियता से संवाद कर रहा है।

एक बोतल में समाई एक बोरी डीएपी, सरकार ने दी मार्केट में उतारने की मंजूरी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के करोड़ों किसानों के लिए अच्छी खबर हैं। अब उन्हें डीएपी खाद की बोरियां ले जाने के झंझट से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि किसानों को लाभ पहुंचाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने नैनो तरल डीएपी (डाई अमोनिया फॉस्फेट) उर्वरक बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है। उर्वरक सहकारी संघ इफको देश में नैनो डीएपी बनाएगी। इसे देश में खेती और इकॉनमी के लिए क्रांतिकारी माना जा रहा है। नैनो डीएपी की एक बोतल डीएपी की एक बोरी उर्वरक के बराबर असरदार होगी। इससे पहले इफको ने परंपरागत यूरिया के विकल्प के तौर पर जून 2021 में नैनो यूरिया को भी बाजार में उतारा था। मांडविया ने एक ट्वीट में कहा, 'नैनो यूरिया के बाद सरकार ने अब नैनो डीएपी को भी मंजूरी दे दी है।' उन्होंने इसे उर्वरक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में उठाया गया कदम बताते हुए कहा कि इससे किसानों को फायदा होगा। नैनो तरल डीएपी को वर्ष 2021 में पहली बार लाने वाले उर्वरक सहकारी संघ इफको ने शुक्रवार को ही कहा था कि सरकार ने उसके नैनो डीएपी उर्वरक को बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है। इफको के प्रबंध निदेशक यूएस अवस्थी ने एक ट्वीट में कहा था कि इफको नैनो डीएपी को कृषि मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है और इसके उत्साहजनक परिणामों को देखते हुए इसे उर्वरक नियंत्रण आदेश में अधिसूचित किया गया है।

आम, लीची, केला, संतरा, टमाटर... इस बार गर्मियों में सिर्फ देखने को मिलेंगे फल और सब्जियां!

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में आने वाले दिनों में फल और सब्जियों की कीमत में भारी इजाफा देखने को मिल सकता है। इसकी वजह यह है कि समय से पहले गर्मी बढ़ने से फलों और सब्जियों के उत्पादन में 30 फीसदी तक की कमी आ सकती है। फलों के राजा आम पर तो अभी से इसका असर दिखने लगा है। किसानों का कहना है कि इस बार आम की बौर और फलों में काफी कमी आई है। इसी तरह समय से पहले गर्मी बढ़ने से लीची, नींबू, तरबूज, केले और काजू की फसल के भी प्रभावित होने की आशंका है। जानकारों का कहना है कि बेमौसम गर्मी के कारण न केवल बंदगोभी, फूलगोभी, हरी सब्जियों और टमाटर का आकार छोटा होगा बल्कि उनमें पोषक तत्वों की भी कमी रहेगी। बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चरल रिसर्च (छ्ष्ठ) के डायरेक्टर एसके सिंह ने कहा कि तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कारण देश के अलग-अलग इलाकों में फलों और सब्जियों के उत्पादन में 10 से 30 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। समय से पहले गर्मी के कारण आम, लीची, कीनू, संतरे, केले और अवाकाडो की फसल प्रभावित हुई है। किसानों का कहना है कि महाराष्ट्र में अल्फांसो आम का उत्पादन 40 फीसदी तक कम हो सकता है। फसल वैज्ञानिकों ने कहा कि तापमान बढ़ने के साथ-साथ ज्यादा उमस के कारण पेस्ट और फंगस का खतरा बढ़ गया है। अमूमन होली के आसपास तापमान बढ़ना शुरू होता है। लेकिन इस बार सर्दियां खत्म होते ही तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो गई। इस बार होली आठ मार्च को है। पिछला महीने देश में औसत तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि एक रेकॉर्ड है।

असामान्य सप्लाई

मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच देश के मध्य और उत्तरपश्चिम इलाकों में लू चलने की आशंका जताई है। गर्मी बढ़ने के कारण सब्जी समय से पहले तैयार हो रही है। इससे कुछ समय के लिए सब्जियों की सप्लाई जरूरत से ज्यादा हो सकती है लेकिन बाद में इसमें शॉर्टेज आ सकती है। जानकारों का कहना है कि इससे सब्जियों की कीमत बढ़ सकती है। कुछ इलाकों में टमाटर की फसल समय से पहले पक सकती है। इससे किसान समय से पहले की अपनी फसल बाजार में ला सकते हैं। इससे कुछ समय के लिए मार्केट में टमाटर की सप्लाई बढ़ सकती है लेकिन बाद में उनकी कमी हो सकती है। गंगा किनारे होने वाली सब्जियों पर भी गर्मी का असर देखने को मिल सकता है।

फेंगशुई के ये गुड लक टिप्स चमका सकते हैं आपकी किस्मत, पैसों की तंगी होगी छूमंतर

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

फेंगशुई का चलन आजकल बढ़ता जा रहा है। इसके द्वारा बताए गए टिप्स को फॉलो करके घर में सकारात्मकता को बढ़ाया जा सकता है। जिस प्रकार भारत में वास्तुशास्त्र है उसी तरह फेंगशुई टिप्स चीन में बहुत ज्यादा महत्व रखती है। इसकी कुछ लकी चीजों को लोग भारत में भी अपनाने लगे हैं। कहते हैं कि फेंगशुई की कुछ चीजें घर में रखने सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है और व्यक्ति के दुर्भाग्य का नाश होता है। इसलिए अगर आपको भी जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो फेंगशुई के अनुसार अपने दैनिक जीवन में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना होगा और उन्हें अपनाकर जीवन में आने वाली समस्याओं को दूर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं क्या करें उपाय-

फेंगशुई के ये उपाय चमका देंगे किस्मत

- अगर आपको लंबे समय से पैसों की दिक्कत झेलनी पड़ रही है तो इसके लिए आप अपने घर में बांस का पौधा लगा सकते हैं। माना जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से सुख-समृद्धि आती है और धन की कमी दूर होती है।
- घर में सौभाग्य, करियर में तरक्की पाने के लिए फेंगशुई मेंढ़क को घर के लिविंग रूम में स्थापित करना अच्छा माना जाता है। इसके लिए आपको अपने लिविंग रूम में साउथ ईस्ट में रखना होगा। इससे करियर में तरक्की सहित सौभाग्य में वृद्धि होती है।
- घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा चाहते हैं तो घर में फेंगशुई लॉफिंग बुद्धा की प्रतिमा रखें। लेकिन इसे रखते वक्त एक बात का ध्यान रखें कि ये नियमानुसार रखा होना चाहिए, जल्द लाभ प्राप्त होता है।
- नौकरी-व्यवसाय में तरक्की पाने के लिए घर में एक सुंदर विंड चाइम लगाएं। विंड चाइम लगाने से व्यापार में तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं। फेंगशुई द्वारा यह उपाय करने से व्यक्ति की प्रगति की नई राह खुलती है।
- फेंगशुई के अनुसार अगर आप बिजनेस में तरक्की पाना चाहते है, तो कार्यस्थल पर दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठाए हुए लॉफिंग बुद्धा की मूर्ति को रख लें।

चैत्र नवरात्रि से पहले ही घर से बाहर कर दें ये चीजें, वरना छाई रहेगी गरीबी

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

इस साल चैत्र नवरात्रि बुधवार, 22 मार्च से लेकर 30 मार्च तक रहने वाले हैं. हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और हिंदू धर्म में इसका विशेष महत्व है. नवरात्रि में मां दुर्गा के पधारने से पहले घर की अच्छी तरह से साफ सफाई की जाती है. ऐसा कहते हैं कि साफ-सफाई के बिना घर में देवी की उपासना का शुभ फल नहीं मिलता है. नवरात्रि से पहले साफ-सफाई में कुछ खास चीजें भी घर से बाहर निकाल देनी चाहिए. घर में इन चीजों का रहना बहुत अशुभ माना जाता है. आइए जानते हैं उन चीजों के बारे में.

1. खंडित मूर्तियां

अक्सर खंडित या खराब देवी-देवताओं की मूर्ति को हम घर में एक तरफ को रख देते हैं. लेकिन वास्तु में इन्हें अशुभ बताया गया है. कहते हैं कि घर में रखीं खंडित मूर्तियां दुर्भाग्य का कारण बनती हैं. ऐसे में इन मूर्तियों को तुरंत बहते हुए जल में प्रवाहित कर देना चाहिए.

2. खराब खाना

घर के साथ किचन की सफाई भी महत्वपूर्ण हैं. ऐसे में रसोई में कोई भी खराब चीजें या खाने आदि रखा है तो उसे तुरंत निकाल बाहर कर दें. घर में खाने-पीने की खराब चीजें मां दुर्गा को रुष्ट करती हैं. इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है और मां दुर्गा घर में प्रवेश नहीं करती.

3. प्याज और लहसुन

चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा 9 दिनों तक धरती पर ही रहती हैं. इन 9 दिनों में मां भक्तों के घर वास करती हैं. ऐसे में घर का वातावरण और घर दोनों का शुद्ध होना बेहद जरूरी है. नवरात्रि से पहले सफाई के दौरान प्याज और लहसुन, अंडा, मांस, मदिरा आदि को घर से निकाल दें. ये चीजें घर में नकारात्मकता लाती हैं.

4. खराब जूते चप्पल और कपड़े

नवरात्रि से पहले मां दुर्गा के स्वागत के लिए सफाई की जाती है. ऐसे में घर में रखे फटे-पुराने कपड़े और जूते-चप्पलों को घर से बाहर निकाल दें. घर में इस तरह की चीजें नकारात्मकता बढ़ाती हैं और मां दुर्गा ऐसे घरों में कभी वास नहीं करती.

5. बंद घड़ी

वास्तु में कहा गया है कि बंद घड़ी दुर्भाग्य का सूचक है. ऐसे में नवरात्रि में मां के आगमन से पहले बंद या खराब घड़ी को भी बाहर निकाल दें या फिर किसी कबाड़ी को दे दें. ऐसी चीजें व्यक्ति की तरक्की में बाधा तो उत्पन्न करती ही हैं. साथ ही, बुरा समय लाने में भी देर नहीं लगाती.

पुष्य नक्षत्र के दिन चुपके से तिजोरी में रख दें ये चीज, हमेशा पैसों से भरी रहेगी जेब

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

माता लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है और इन्हें प्रसन्न करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते रहते हैं, जिससे की देवी लक्ष्मी का उनके घर में वास हो और उन्हें कभी धन की कमी ना हो। लेकिन कई बार हम हर प्रकार के उपाय करने के बाद भी पनप नहीं पाते और लगातार प्रयास करते रहते हैं कि शायद किसी तरह देवी लक्ष्मी की कृपा बन जाए। आपको बता दें कि अगर आप हर उपाय करते हार चुके हैं तो ज्योतिषशास्त्र द्वारा बताए गए तिजोरी के कुछ उपाय अपना सकते हैं। इन छोटे-छोटे उपायों से आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

1. आपको पीपल का एक पत्ता लेकर उसपर घी में सिंदूर मिलाकर ओम लिखना होगा। इसके बाद उसे तिजोरी में रख दें और ऐसा 5 शनिवार लगातार करें। पैसों से चल रही दिक्कतें जल्द दूर होने लगेंगी।

2. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, पुष्य नक्षत्र वाले दिन शाम के समय लक्ष्मी जी की विधि पूर्वक पूजा करें और साथ में पुराने चांदी के सिक्के और कुछ रुपयों को कौड़ी के साथ रखकर तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से आपकी तिजोरी हमेशा पैसों से भरी रहेगी।

3. अपनी तिजोरी में हमेशा 10-10 के नोट की एक गड्डी और कुछ पीतल और तांबें के सिक्के रखें। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर सदैव बनी रहती है।

4. आपको बता दें कि अगर आपकी तिजोरी दक्षिण दिशा में रखी हुई है तो उसे तुरंत वहां से हटा दें क्योंकि इस दिशा में तिजोरी रखने से घन हानी होती है। वास्तुशास्त्र के अनुसार अपनी तिजोरी को ऐसे रखना चाहिए कि जिससे उसका दरवाजा उत्तर दिशा में खुलें।

5. अपनी तिजोरी को हमेशा भरा हुआ रखें, ज्यादा पैसे ना हों तो कुछ पैसे हमेशा अपनी तिजोरी में रखें। इससे बरकत बनी रहती है और इसके साथ ही आप अपनी तिजोरी में एक आईना भी लगाएं। ताकि जब भी आप इसे खोलें तो इसमें आपको अपनी छवी दिखाई दें। जो कि कामकाज के लिए पॉजिटीव मानी जाती है।

ज्योतिष की सलाह बिना धारण ना करें कड़े, जानिए फायदे और नुकसान

हाथ में कड़ा पहनना आजकल फैशन में है। लकड़ा हो या लड़की सोना-चांदी या अन्य धातुओं के कड़े पहनने का काफी शौक रखते हैं। फैशन के अलावा अलग अलग प्रकार के कड़े पहनने के अपने महत्व हैं। लेकिन बिना ज्योतिष की सलाह के कड़े पहनने आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। आइये जानते हैं कड़े पहनने के फायदे एवं नुकसान।

कड़ा पहनने के तीन फायदे

1. पीतल और तांबे का मिश्रित कड़ा पहनने गुरु, मंगल और चंद्र बलवान होते है। पीतल से गुरु, तांबे से मंगल और चांदी से चंद्र बलवान होता है। कुंडली में इन तीनों ग्रहों की अच्छी स्थिति जातक के लिए लाभकारी होती है।

2. कड़ा हनुमानजी का प्रतीक माना जाता है। पीतल और तांबा मिश्रित धातु का कड़ा पहनने से सभी तरह के भूत-प्रेत आदि नकारात्मक शक्तियों से व्यक्ति की रक्षा होती है।

3. हाथ में कड़ा धारण करने से कई तरह की बीमारियों से भी रक्षा होती है। जो व्यक्ति बार-बार बीमार होता है उसे सीधे हाथ में अष्टधातु का कड़ा पहनना चाहिए। मंगलवार या शनिवार हनुमान मंदिर में जाकर कड़े को बजरंग बली के चरणों में रख दें। हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसके बाद कड़ा धारण कर लें।

कड़ा पहनने के तीन नुकसान

1. सोने का कड़ा सूर्य देव, चांदी का कड़ा चंद्र देव, पीतल का कड़ा गुरु और तांबे का कड़ा मंगल का माना जाता है। इन कड़ो को किसी ज्योतिष से पूछे बिना धारण नहीं करना चाहिए। अन्यथा ये ग्रहों को बहुत बुरा फल देते हैं।

2. लौहे, स्टील या जर्मन का कड़ा शनि देव का माना जाता है। शनि कुंडली में कहीं भी होगा तो वह पराक्रम में माना जाएगा। पराक्रम में यदि पहले से चंद्र या शनि के शत्रु ग्रह है तो नुकसान होगा। शनि का कड़ा पहनते समय विशेष सावधानी रखना चाहिए।

3. धार्मिक कड़ा पहनने के नियम उसी तरह हैं जिस तरह की यज्ञोपवीत पहनने के नियम हैं। बहुत से लोग कड़ा पहनने के बाद किसी भी प्रकार का नशा करते हैं या अन्य कोई अनैतिक कार्य करते हैं तो इससे उसको नुकसान होगा।

तांबे की अंगूठी धारण करना होता है लाभकारी

आचार्य पंडित भारत भूषण शर्मा (आर्य)
9479750000
8821938000
संस्थापक
संस्थान-आर्येश भारतीय ज्योतिष अनुसंधान केंद्र

तांबे की धातु से बनी अंगूठी का चलन बहुत पुराना है। प्राचीन काल में तांबे की अंगूठी पहनने की परंपरा हुआ करती है। रत्न शास्त्र में तांबे की अंगूठी को बहुत गुणकारी बताया गया है। ग्रहों के दोष करने के साथ ही यह अंगूठी अच्छी सेहत के लिए लाभकारी होती है। तांबे को सूर्य और मंगल ग्रह का धातु माना जाता है।

आइए जानते हैं तांबे की अंगूठी पहनने से क्या-क्या फायदे होते हैं।

1. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार तांबे की अंगूठी या कड़ा पहनने से जोड़ों का दर्द दूर होता है।

2.तांबे की अंगूठी धारण करने से पेट संबंधित सभी विकार दूर हो जाते हैं।

3.आर्थराइटिस के मरीजों को तांबे का कड़ा जरूर पहनना चाहिए।

4.ज्योतिष शास्त्र में तांबे की अंगूठी रिंग फिंगर में पहनने से सूर्य दोष खत्म हो जाता है।

5.तांबे की अंगूठी धारण करने से मंगल के अशुभ प्रभाव से भी मुक्ति मिलती है।

6.तांबे की अंगूठी या कड़ा पहनने से खून साफ होता है। रक्त संचार सही बना रहता है।

7.इसे पहनने से मानसिक और शारीरिक तनाव भी कम होता है।

तांबे के अन्य फायदे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में रखे तांबे के बर्तन से सुख-शांति बनी रहती है। तांबे के बर्तन में भोजन करने या पानी से पीने से सेहत अच्छी रहती है। इसके साथ ही शुद्धता से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। अगर घर का मुख्य द्वार गलत दिशा में बना है तो तांबे के सिक्का लटका देने से इसका वास्तु दोष खत्म हो जाता है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क संस्थान ने

ग्रेसिम के डॉमेस्टिक टेक्सटाइल व्यवसाय को किया ग्रेट वर्कप्लेस के तौर पर प्रमाणित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के वैश्विक प्रबंधन शोध एवं परामर्शदाता फर्म, जो कि किसी संस्थान में कार्य संस्कृति को पहचान देकर बेहतर कार्यस्थल के निर्माण हेतु संस्थानों को सक्षम करने के लिए प्रतिबद्ध ग्रेट प्लेस टू वर्क संस्थान ने सफलतापूर्वक ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के घरेलू टेक्सटाइल व्यवसाय की मूल्यांकन प्रक्रिया को पूर्ण किया। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप ग्रेसिम के तीन घरेलू टेक्सटाइल व्यवसायों को ग्रेट वर्कप्लेस (सर्वोत्तम कार्यस्थल) के रूप में प्रमाणिकता प्रदान की है। इन तीन नामों में शामिल हैं- जया श्री टेक्सटाइल, विक्रम वुलन्स एवं ग्रेसिम प्रीमियम फैब्रिक।

ग्रेसिम इंडस्ट्रीज, डॉमेस्टिक टेक्सटाइल के सीईओ श्री सत्यकी घोष ने कहा- 'यह हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। मैं प्रत्येक टीम लीडर एवं हमारी टीम के हर एक सदस्य को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ जिन्होंने इसे साकार कर दिखाया है। ग्रेसिम, एबीजी डॉमेस्टिक टेक्सटाइल के लिए समर्पित इस प्रामाणिकता की सबसे अनूठी विशेषता यह है कि हमारे मामले में इसमें विशेषरूप से हमारे कार्यस्थल के सहयोगी महिला/पुरुषों की राय भी शामिल की गई है। यह प्रामाणिकता हमारे डोमेस्टिक टेक्सटाइल परिवार के प्रत्येक सदस्य के व्यवहार और कार्य द्वारा रचित कार्यसंस्कृति की साक्षी है। हमें ग्रेसिम व आदित्य बिरला समूह, डॉमेस्टिक टेक्सटाइल का हिस्सा होने पर गर्व है और हम इस सम्मान के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट का आभार व्यक्त करते हैं।' ग्रेट प्लेस टू वर्क (जीपीटीडब्ल्यू) एक वैश्विक प्रबंधन शोध एवं परामर्शदाता फर्म, जो कि किसी संस्थान में कार्य संस्कृति को पहचान देकर बेहतर कार्यस्थल के निर्माण हेतु संस्थानों को सक्षम करने के लिए प्रतिबद्ध है। जीपीटीडब्ल्यू कार्यस्थल संस्कृति के मूल्यांकन, सक्षमता और पहचान करने के मामले में एक गोल्ड स्टैंडर्ड (उच्च मानक) रखता है। डॉमेस्टिक टेक्सटाइल व्यवसाय ने इस संस्थान की कठोर और सटीक मूल्यांकन प्रक्रिया में जनवरी 2023 में हिस्सा लिया था और इस संस्थान ने डोमेस्टिक टेक्सटाइल की कार्य संस्कृति को समझने के लिए कल्चर ब्रीफ और कल्चर ऑडिट के जरिये अपनी पेटेंट की हुई ग्रेट प्लेस टू वर्क ट्रस्ट इंडेक्स एम्प्लॉयी सर्वे पद्धति का प्रयोग किया जो कि दुनियाभर में कर्मचारियों के उनके कार्यस्थल संबंधी प्रत्यक्ष ज्ञान और अनुभव को समझने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला सबसे प्रचलित मॉडल है।

महिलाओं की पसंदीदा पाँच टाइमलेस डायमंड ज्वेलरी होना ही चाहिए

इंदौर। एजेंसी

लक्ज़री, ग्लैमर और अटूट प्रेम के प्रतीक के रूप में, हीरे की सदियों से ही एक अलग पहचान रही है। इंगेजमेंट रिंग्स से लेकर रेड कार्पेट नेकलेस तक, एक महिला के जीवन में आने वाले सबसे महत्वपूर्ण पलों में हीरे ने खूब शोभा बढ़ाई है। लेकिन एक ट्रेडिशनल सॉलिटेयर रिंग से अलग, आपके ज्वेलरी कलेक्शन में डायमंड को शामिल करने के कई तरीके हो सकते हैं। हम पाँच टाइमलेस डायमंड ज्वेलरी की पेशकश कर रहे हैं, जो हर महिला के पास जरूर होना चाहिए। ये पीसेस न सिर्फ वर्सेटाइल और स्टाइलिश हैं, बल्कि एक लाज़वाब हेयरलूम पीसेस भी बनाते हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी बरकरार रहेंगे। डी बीयर्स फॉरएवरमार्क के अहम् डायमंड ज्वेलरी के बारे में जरूर जान लें, जो सदाबहार रहने का वादा करते हैं। डायमंड सॉलिटेयर को हर महिला के ज्वेलरी कलेक्शन में क्लासिक आवश्यकता के रूप में देखा जाता है। ये उनकी सादगी

और लालित्य को हर आउटफिट के साथ सटीक बनाते हैं, जिससे एक महिला सुंदर, कालातीत और परिष्कृत दिखाई देती है, फिर चाहे कोई भी अवसर हो। ये आपके योग्य हैं, इसलिए जल्दी करें और स्वयं को एक जोड़ी डायमंड सॉलिटेयर इयररिंग्स उपहार में दें। इस चूड़ी में जड़े हुए आश्चर्यजनक दुर्लभ और प्राकृतिक हीरे, महिलाओं को एक अलग स्तर की ऊर्जा प्रदान करते हैं। अपनी आंतरिक शक्ति और किसी भी चुनौती को पार करने में खुद को सशक्त बनाने के लिए यह खास डायमंड बैंगल जरूर पहनें। आप बोल्ड व खूबसूरती की मिसाल हैं और आप में तमाम अद्भुत गुणों को अपनाने की क्षमता है, डायमंड कॉकटेल रिंग इस बात पर प्रकाश डालने के साथ ही आपके व्यक्तित्व के खूबसूरत पहलुओं को उभारने का काम करेगी। तो जल्द ही एक जोड़ी डायमंड हूप इयररिंग्स खरीदें। इनमें से प्रत्येक ज्वेलरी पीस, महिलाओं में निहित एक अद्भुत गुण का प्रतिनिधित्व करता है। नारीत्व का उत्सव वास्तव में सराहनीय है, क्योंकि नारी प्रकृति की बहु-आयामी संरचना है, जो ना सिर्फ जीवन देती है, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जो दुनिया को जीवंत भी बनाती है।

आधार कार्ड बनवाने के लिए पासपोर्ट जैसा होगा सत्यापन

UIDAI ने जारी कर दिया नया निर्देश

नई दिल्ली। एजेंसी

18 साल के हो गए हैं और अब तक आधार नहीं बनवाया है तो सत्यापन के लिए पासपोर्ट बनवाने सरीखी जांच-पड़ताल से गुजरना होगा। यूआईडीएआई ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही राज्य सरकार को पत्र लिखकर नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। यह अधिकारी ही नए आधार के लिए बालिगों के नाम-पते आदि की जांच करवाएंगे। फिलहाल यूआईडीएआई की साइट पर 18 प्लस वालों के लिए आधार बनवाने का टाइम स्लॉट नहीं मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के बाद रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया दोबारा शुरू की जाएगी। यूपी में 18 साल से अधिक उम्र के 16 करोड़ से अधिक लोगों के आधार कार्ड बनाए जा चुके हैं। अब बचे हुए बालिगों के लिए सत्यापन की प्रक्रिया सख्त कर दी गई है और इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार को सौंप दी गई है। यूआईडीएआई के अधिकारियों के मुताबिक अब सिलेक्टेड जगहों पर ही आधार बनेगा। इसके लिए स्टेट लेवल का पोर्टल भी बनाया जा रहा है।

15 जून तक संशोधन निःशुल्क

बुधवार से 15 जून तक आधार में ऑनलाइन अपडेशन मुफ्त रहेगा। पहले इसके लिए 50 रुपये देने होते थे। हालांकि बयॉमिट्रिक अपडेशन में व ऑफलाइन संशोधन करने पर फीस देनी होगी। myaadhaar.uidai.gov.in पर जाकर आधार अपडेट किया जा सकता है।

AI-आधारित ऑटोफोकस के साथ एक नया उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग अनुभव

सोनी इंडिया का नया अल्फा 7R V कैमरा

नई दिल्ली।आईपीटी नेटवर्क

सोनी इंडिया ने अल्फा 7R V (मॉडल ILCE-7RM5) अल्फ़ा मिररलेस इंटरचेंजेबल लेंस कैमरों की अपनी प्रशंसित श्रृंखला में सबसे नए सीरीज़ कैमरे के रूप में। यह अल्फ़ा 7R V सोनी के उच्चतम रिज़ॉल्यूशन इमेज सेंसर को AI-आधारित इमेज पहचान के लिए समर्पित एक नई AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) प्रोसेसिंग यूनिट के साथ जोड़ती है - किसी भी Alpha कैमरा में पहली बार - साथ ही प्रभावशाली BIONZ XR™ इमेज प्रोसेसिंग इंजन - 'R' फुल-फ्रेम लाइनअप में पहली बार। उच्च-रिज़ॉल्यूशन सेंसर और इन सभी प्रोसेसर का संयोजन विषय-वस्तु की पहचान करने में और स्थिर फोटोग्राफी और वीडियो दोनों के लिए कैप्चर करने में नई सफलताओं को सक्षम बनाता है। नया अल्फा 7R V 61.0MP स्टिल इमेज और सबसे प्रभावी 8-स्टेप इमेज स्टेबिलाइजेशन सिस्टम प्रदान करता है जो सोनी के किसी भी अल्फा कैमरे में पेश किया गया है, साथ ही रिफाइंड 8K मूवी आउटपुट, एक नया 4-एक्सिस मल्टी-एंगल मॉनिटर, हाई-स्पीड संचार कार्य, उच्च-स्तरीय संचालन क्षमता और सुचारू कार्य-प्रवाह इंटीग्रेशन। Sony का नवीनतम कैमरा उन पेशेवरों के लिए आदर्श है, जिन्हें प्रथम श्रेणी के उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग टूल की आवश्यकता होती है। Sony India में डिजिटल इमेजिंग बिजनेस के प्रमुख मुकेश श्रीवास्तव ने कहा हम उच्च-रिज़ॉल्यूशन और अत्यंत उन्नत AI प्रोसेसिंग यूनिट के साथ बिल्कुल नया अल्फ़ा 7R V कैमरा पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ऑटोफोकस प्रदर्शन प्रदान करता है। हमारे अल्फ़ा 7R की श्रृंखला में यह नवीनतम जुड़ाव पेशेवरों को अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ इमेजिंग अनुभव और रचनात्मक स्वतंत्रता के नए स्तर की पेशकश करने के हमारे निरंतर प्रयासों का एक आदर्श उदाहरण है।

ओप्पो ने भारत में फाईंड एन2 फ्लिप लॉन्च किया

फोल्डेबल फोन में नया मानक स्थापित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अग्रणी ग्लोबल स्मार्ट डिवाईसेज़ ब्रांड, ओप्पो ने भारत में 89,999 रु. में अपने फ्लैगशिप फाईंड एन2 फ्लिप फोन का लॉन्च करने की घोषणा की है। यह फ्लिपफोन 17 मार्च, रात्रि 12 बजे से ओप्पो स्टोर्स, फ्लिपकार्ट, और मेनलाईन रिटेल आउटलेट्स पर मिलना शुरू हो जाएगा।कैशबैक और छूट के साथ ग्राहक यह केवल 79,999 रु. में प्राप्त कर सकेंगे। इस डिवाईस के बारे में दमयंत सिंह खनोरिया, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, ओप्पो इंडिया ने कहा, ''हमें उद्देश्यपरक आधुनिकताएं पेश करने की ओप्पो की विरासत पर गर्व है। हम अपने लेटेस्ट इनोवेशन, फाईंड एन2 फ्लिप का लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं। इस स्लीक डिवाईस में विशाल वर्टिकल कवर स्क्रीन, एक अदृश्य क्रीज़, शक्तिशाली कैमरा, और सर्वश्रेष्ठ बैटरी है, इसलिए यह स्टाईल, फंक्शनलिटी एवं टिकाऊपन के लिए उत्तम है। हमें विश्वास है कि यह फ्लिप स्मार्टफोन फोल्डेबल स्मार्टफोन की श्रेणी में न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में एक नई क्रांति ले आएगा।''

ओप्पो का पहला फ्लिप फोन अपने ऑल-न्यू फ्लेक्ज़ियोन हिंज डिज़ाईन के साथ इस श्रेणी में एक नया मानक स्थापित कर देगा। इसमें एक वाटर ड्रॉप फोल्ड का निर्माण होता है, जिसके कारण किसी भी फोल्डेबल स्मार्टफोन के मुकाबले इसके मुख्य डिस्प्ले पर काफी हल्की और पतली क्रीज़ बनती है। यह क्रीज़ ज्यादातर रोशनी की स्थितियों में अदृश्य रहती है, जिससे फ्लैट-स्क्रीन का अतुलनीय अनुभव प्राप्त होता है। इस सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के हिंज में टिकाऊपन से भी कोई समझौता नहीं किया गया है; ओप्पो फाईंड एन2 फ्लिप थर्ड पार्टी टीयूवी रीनलैंड द्वारा सर्टिफाईड है। यह 400,000बार फोल्ड और अनफोल्ड सहन कर सकता है, यानि आप दस सालों तक इस फ्लिपफोन को रोज 100 बार खोल और बंद कर सकते हैं।

इस स्मार्टफोन को माईनस 20 डिग्री सेल्सियस से लेकर 50 डिग्री सेल्सियस के बीच 95 प्रतिशत ह्यूमिडिटी के साथ बहुत ही कठिन परिस्थितियों में 100,000 से ज्यादा बार फोल्ड और अनफोल्ड करने के लिए जाँचा गया है।

बोइंग और जीएमआर एयरो टेक्नीक द्वारा भारत में पहली बोइंग फ्रेटर कंवर्जन लाइन

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

बोइंग ने हैदराबाद में एक नई बोइंग कन्वर्टेड फ्रेटर लाइन स्थापित करने के लिए जीएमआर एयरो टेक्नीक के साथ समझौता करने की घोषणा की। जीएमआर एयरो टेक्नीक भारत का पहला बोइंग सप्लायर है, जिसके पास घरेलू और विदेशी दोनों प्रकार के विमानों के भविष्य आधारित बदलावों को पूरा करने की क्षमता होगी। यह साझेदारी कार्गो के विकास का समर्थन करने के लिए बोइंग के लगातार जारी निवेश में अतिरिक्त वृद्धि है। यह भारत में जटिल विमान संशोधन क्षमताओं और रखरखाव, मरम्मत और जांच (एमआरओ) काविस्तार करने में मदद करता है, जो इस क्षेत्र में भारत के विमानन औरएयरोस्पेस हब बनने उसकी महत्वाकांक्षा के मुताबिक है।

बोइंग इंडिया के प्रेसिडेंट सलिल गुप्ते ने कहा, 'जीएमआर एयरो टेक्नीक के साथ हमारा सहयोग न केवल आत्मनिर्भर भारत की रणनीति का समर्थनकरने के लिए देश में भारतीय एमआरओ की परिपक्वता का प्रमाण है, बल्कि इस क्षेत्र में कार्गो सेगमेंट की प्रत्याशित वृद्धि का भी समर्थन करताहै।' इस समझौते पर जीएमआर एयरो टेक्नीक के सीईओ अशोक गोपीनाथ नेकहा, 'भारतीय विमानन उद्योग में वृद्धि के साथ, भारत में एमआरओ सेवाएं दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक रही हैं। बोइंग के साथसहयोग विश्व स्तरीय एमआरओ सेवाएं प्रदान करने और 'मेक इन इंडिया' पहल में आगे योगदान करने की हमारी क्षमता की पुष्टि करता है।हम इस अवसर के लिए बोइंग को धन्यवाद देते हैं और भविष्य की पहल केलिए मिलकर काम करने की आशा करते हैं।'

एनएसडीसी ने एईडीपी के तहत 1 लाख प्रशिक्षुओं को ऑनबोर्ड करने के लिए 2कॉम्स के साथ सहयोग किया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

अप्रेंटिसशिप को आकांक्षी बनाने के लिए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम ने अप्रेंटिस एक्ट 2कॉम्स के तहत भारत की सर्वश्रेष्ठ मैनपावर सॉल्यूशन कंपनी में से एक और एक अग्रणी थर्ड पार्टी एग्रीगेटर के साथ अगले तीन वर्षों में अप्रेंटिस एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम्स (एईडीपी) के तहत एक लाख अप्रेंटिस को ऑनबोर्ड करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क योग्यता (एनसीएफक्यू) के साथ कई विषयों में वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल मोबिलिटी प्रदान करने के लिए मल्टीपल एंट्री और एक्जिट प्वाइंट्स के प्रावधानों के साथ संरेखित किया गया है।

सहयोग का उद्देश्य छात्रों को यूजीसी से मान्यता प्राप्त डिग्री प्राप्त करने में सक्षम बनाना है, साथ ही उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाने और उम्मीदवारों के बीच रचनात्मक सोच क्षमताओं, समस्या समाधान और डिजिटल स्किलिंग का निर्माण करने के लिए इंडस्ट्री-शिक्षाविदों के बीच मजबूत संबंध विकसित करना है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सीओओ श्री वेद मणि तिवारी और 2कॉम्स के डायरेक्टर श्री प्रशांत पचीसिया के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। यह पहल गेस्ट लेक्चर, रीडिंग मटेरियल, विस्तृत प्रेजेंटेशन और अन्य रेलेवेन्ट मटेरियल सहित वर्चुअल मॉडल के माध्यम से पाठ्यक्रम प्रशिक्षण के दौरान रोजगार कौशल को बढ़ावा देने में मदद करेगी

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

सयाजी, इंदौर के एफ़ोटेल में राजस्थानी स्वाद का आनंद लें

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी इंदौर के एफ़ोटेल का समृद्ध और आकर्षक मल्टी-कुज़ीन रेस्तरां, क्यूब इस मार्च में रंगीलो राजस्थान फूड फेस्टिवल की मेजबानी कर रहा है। होली पर अपने मनपसंद व्यंजनों के शानदार प्रदर्शन के साथ देसी रियासतों की विविध एवं बहुरंगी संस्कृति का अनुभव करें। दाल बाटी चूरमा, गट्टे की खिचड़ी, मिर्ची बड़ा, प्याज की कचौरी, बाजरे की रब, मूंग दाल हलवा, घेवर, मालपुआ, बाजरे की रोटी, चूरमा लड्डू, बालूशाई, गुजिया, कलमी वड़ा, पापड़ की सब्जी, राब, वेजिटेबल कोफ्ता, वेजिटेबल और पनीर कोफ्ता जैसे स्वदेशी व्यंजनों के साथ नए पाक कला अनुभव का आनंद लें। एफ़ोटेल इंदौर के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, श्री अनुराग आनंद ने बताया कि 'रंगीलो राजस्थान न केवल एक फूड फेस्टिवल है, बल्कि यह प्राचीन राजस्थानी परंपरा का भी जश्न मनाता है। यह फूड फेस्टिवल 19 मार्च तक चलेगा और 10 दिनों तक चलने वाले इस फूड फिएस्टा में बेहतरीन राजस्थानी खानपान पेश किया जाएगा। श्री आनंद ने कहा कि 'हमारा लक्ष्य शहर के खानपान के के शौकीनों को एक यादगार अनुभव प्रदान करना है और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना है।' क्यूब भारतीय, यूरोपीय, अमेरिकी और पूरे एशियाई क्षेत्र के व्यंजनों का विस्तृत मेनू प्रदान करता है। मेहमान तीनों वक्त के भोजन के लिए लोकप्रिय भारतीय, दक्षिण भारतीय, एशियाई और पश्चिमी व्यंजनों की एक व्यापक रेंज में से अपना मनपसंद भोजन चुन सकते हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।